Amar Ujala

15.08.21 _ Page.No-04

गलगोटिया की फर्जी साइट बना लाखों रुपये की ठगी

दाखिला दिलाने का झांसा देकर रकम कराते थे ट्रांसफर, दो भाइयों समेत तीन गिरफ्तार

माई सिटी रिपोर्टर

नोएडा। गलगोटिया विश्वविद्यालय के नाम पर फर्जी वेबसाइट बनाकर छात्रों को दाखिला दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को पुलिस गिरफ्तार किया है। शनिवार को क्राइम ब्रांच और फेज-2 पुलिस ने संयुक्त रूप से एनएसईजेड गेट के पास से तीनों को गिरफ्तार किया। तीनों की पहचान कुमार गौरव किशोर और उसके सगे भाई कुमार कौशल किशोर निवासी एवीजे सोसाइटी में और बिहार निवासी कुशल श्रीवास्तव के रूप में हुई है। आरोपियों के कब्जे से 10 मोबाइल व लैपटॉप समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। प्रथम दृष्टया मामले में 10 से 12 छात्रों से करीब 25 लाख रुपये की ठगी होने की बात सामने आई है।

पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों ने गलगोटिया विश्वविद्यालय डाट इन के नाम से फर्जी वेबसाइट बना रखी थी। इस वेबसाइट पर उन्होंने अपना फोन नंबर दिया था। आरोपी छात्रों से दाखिले के नाम पर बात करते थे और खुद को विश्वविद्यालय का अधिकारी बताते थे। छात्रों को संदेह न हो इसलिए पूरी प्रक्रिया का पालन कराया जाता था। आरोपी दाखिले की फीस के नाम पर पैसे अपने खातों में ट्रांसफर करा लेते थे। पुलिस ने बताया कि करीब 10 से 12 छात्रों से आरोपियों ने ठगी की है। लेकिन अभी तक कितने रुपये की ठगी की गई है, इसकी जांच की जा रही है।

छात्र दाखिले के लिए दस्तावेज और पैसे जमा करने की पर्ची लेकर पहुंचे तो खुलासा हुआ। यूनिवर्सिटी की ओर से फेज दो कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई गई और फिर क्राइम ब्रांच ने मामले की जांच करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस की गिरफ्त में तीनों आरोपी। विज्ञप्ति

आरोपियों ने 12 युवाओं से की करीब 25 लाख की ठगी, जांच जारी

तीनों आरोपी तीन साल से कर रहे थे ठगी

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी करीब तीन वर्ष से ठगी कर रहे थे। गलगोटिया से पहले वह देश के कई अन्य विश्वविद्यालयों में दाखिला दिलाने के नाम पर ठगी कर चुके थे। तीनों आरोपी दूर-दराज के राज्यों व जिलों में रहने वाले लोगों से ही ठगी करते थे। तीनों ने ग्रेटर नोएडा में एक कमरा किराये पर लेकर ऑफिस खोल रखा था। वहां एक सिक्योरिटी गार्ड भी तैनात था। किसी का फोन आने पर पहले गार्ड फोन उठाकर 'साहब अभी बाहर गए हैं, बोलता था'। इसके बाद वह फोन पर ही लोगों की उनसे बात करा देता था।

कर्मियों के शामिल होने की बात आई सामने

पुलिस जांच में यह बात भी सामने आई है कि आरोपियों ने गलगोटिया विश्वविद्यालय के कुछ कर्मचारियों से भी सांठगांठ कर रखी थी। जांच में यह पता चला है कि उन्होंने कुछ लोगों के एडमिशन यूनिवर्सिटी में कराए थे। पुलिस ने यूनिवर्सिटी के अधिकारियों से भी छात्रों को जागरूक करने के लिए कहा है। जिससे छात्रों के साथ ठगी नहीं हो पाए।

Amar Ujala

15.08.21 _ Page.No-09

अमर उजाला, पेज नं 9, दि. 15/08/21

तीन घंटे लैब-क्लासरूम का निरीक्षण शिक्षा की गुणवत्ता पर रहा जोर

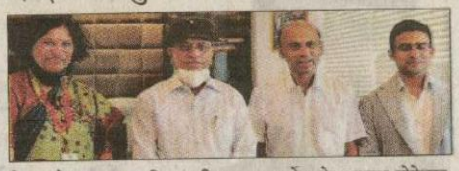

ग्रेटर नोएडा। उच्च शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष प्रोफेसर गिरीश चंद्र त्रिपाठी और मेरठ मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी आरके गुप्ता ने गलगोटिया विश्वविद्यालय का दौरा किया। एनसीसी कैडेट ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका स्वागत किया। दौरे के दौरान उनका ध्यान शिक्षा की गुणवत्ता पर रहा। डॉ. गिरीश चंद्र ने विश्वविद्यालय के अध्यापकों एवं छात्रों के साथ वैचारिक सत्र में शिक्षा की गुणवत्ता पर विस्तार से चर्चा की।

टीम ने लगभग तीन घंटे तक लैब, क्लासरूम, लाइब्रेरी, मीडिया रूम आदि कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता का निरीक्षण करना था। शिक्षकों के साथ चर्चा के दौरान उद्योगों के अनुरूप शिक्षा और देश के प्रति छात्रों के कर्तव्य पर विशेष जोर दिया। वहीं, शिक्षा के क्षेत्र में आ रहीं चुनौतियों के समाधान और अंतरराष्ट्रीय करण पर प्रबंधन से बात की। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप समाज को देना भी सीखें, क्योंकि जिस समाज में सिर्फ लेने की बात होती है। वह बहुत ज्यादा विकास नहीं करता हैं। पर्यावरण के प्रति सजग करने के लिए प्रबंधन के सदस्यों के साथ विश्वविद्यालय प्रांगण में आम का पौधा भी लगाया। ब्यूरो